सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 277 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 18 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सफलता की खुशी मानना अच्छा है पर उससे ज़रूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

-बिल गेट्स

स्वतंत्रता आंदोलन की तर्ज पर लड़ी... 8 | उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने... 3 | रामपुर में वोट भी नहीं डाल पाएंगे... 7

राहुल गांधी को बम से उड़ाने की धमकी, देशभर में हड़कंप

पत्र में लिखा- भारत जोड़ो यात्रा के राहुल को राजीव गांधी के पास भिजवा देंगे

» मध्य प्रदेश के इंदौर में राहुल को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बम से उड़ाने की धमकी की खबर आग की तरह फैल गई। पूरे देश में हड़कंप मचा हुआ है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने उनकी सुरक्षा और मजबूत करने की मांग उठा दी हैं। वहीं एमपी पुलिस ने राहुल की सुरक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। भारत जोड़ो यात्रा से देश की तस्वीर बदलने वाले राहुल गांधी को इंदौर में जान से मारने की धमकी मिली है। जूनी इंदौर इलाके में एक मिठाई की दुकान पर अज्ञात लेटर पहुंचा है, जिसमें राहुल की खालसा स्टेडियम में होने वाली सभा में हमला करने की बात लिखी है।

मामले में पुलिस सीसीटीवी के आधार पर जांच में जुटी है। एडिशनल डीसीपी प्रशांत चौबे ने मामले की पुष्टि की है। उनके मुताबिक अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है। पत्र में सबसे ऊपर वाहे गुरु लिखा है। फिर नीचे लिखा है... 1984 में पूरे देश में भयंकर दंगे हुए। सिखों का कत्लेआम किया गया। किसी पार्टी ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। (कांग्रेस नेता कमलनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिखे हैं...)। लेटर में आगे लिखा नवंबर के आखिरी महीने में इंदौर में जगह-जगह भयानक बम विस्फोट होंगे। बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। जल्द ही राहुल गांधी की इंदौर यात्रा के समय कमलनाथ को भी गोली मार दी जाएगी। राहुल को भी राजीव गांधी के पास भिजवा दिया जाएगा। एक अन्य पेज में लिखा है... नवंबर 2022 के आखिरी सप्ताह में बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। राजबाड़ा को खास निशाना बनाया जाएगा। लेटर में सबसे नीचे किसी ज्ञानसिंग का नाम लिखा है। साथ ही लेटर में कई मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। पत्र के साथ एक आधार कार्ड की फोटोकॉपी भी भेजी गई है। लेटर जिस लिफाफे में आया है, उसमें भेजने वाले के स्थान पर रतलाम शहर के भाजपा विधायक चेतन कश्यप का नाम लिखा है।

यात्रा की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इस मामले को लेकर मैं मुख्यमंत्री से मिल चुका हूं। ये पुलिस को देखना है पूरी सुरक्षा पुलिस प्रशासन के हाथ में है। बीजेपी बौखलाई हुई है। हर हथकंडे अपना रही है।

कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देश की एकता, सद्भावना और भाईचारे को जोड़ने का काम कर रही है। देश को तोड़ने वाली ताकतें धमकी भरे पत्र से माहौल करने की कोशिशें कर रही है, मगर कांग्रेस डरने वाली नहीं है। भाजपा को इस पर जवाब देना चाहिए।

अंशू अवस्थी, कांग्रेस प्रवक्ता यूपी

धमकी भरा पत्र मिला है। ये पत्र उज्जैन से आया है। अज्ञात ने भेजा है। जांच चल रही है। दरअसल इस पत्र में एक विधायक के नाम का भी जिक्र है।

रजत सकलेचा, डीसीपी इंटेलीजेंस, एमपी

ऐसा है मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा का कार्यक्रम

इंदौर में 28 नवंबर को भारत जोड़ो यात्रा महू दशहरा मैदान ग्राउंड से शुरू होकर एयू सिनेमा (इंदौर) आएगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल के मुताबिक यात्रा यहां से चोइथराम अस्पताल के सामने से होते हुए माणिकबाग से कलेक्टर चौराहे पर जाएगी। कलेक्टर चौराहे से यात्रा कांग्रेस कार्यालय के सामने से होकर गुजरते हुए राजबाड़ा पहुंचेगी। यहां पर राहुल गांधी की नुक्कड़ सभा होगी। नुक्कड़ सभा के बाद राहुल गांधी कार से खालसा कॉलेज जाएंगे। यहां पर राहुल गांधी रात रुकेंगे। बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा की मध्यप्रदेश में एंट्री 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र में जलगांव के जामोद से होते हुए यात्रा बुरहानपुर के बोदरली गांव पहुंचेगी। यात्रा 15 दिन में प्रदेश के 6 जिले बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन और आगर-मालवा में घूमेगी। मप्र में यात्रा 399 किलोमीटर चलेगी। पहले यात्रा 20 नवंबर को मध्यप्रदेश आना तय था।

जिहाद की आड़ में हत्याएं सुनियोजित साजिश सरकार कर रही कठोर कार्रवाई : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम बोले- एक भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा, सजा जरूर मिलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड को लेकर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह लव जिहाद से भी एक कदम आगे हैं। मौर्य ने कहा कि अब लव जिहाद की आड़ में खुलेआम हिंदू लड़कियों की निर्मम हत्याएं एक सुनियोजित साजिश है। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग के साथ ही 'भाईचारा संप्रदाय' की खामोशी पर भी सवाल उठाए।

केशव मौर्य ने कहा कि घटना बहुत दुखद है, दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रेम जल में फंसाना, फिर कत्ल करना और जबरन शादी के लिए विवश करना, ऐसे दानवों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही हो रही है। फिर चाहे वो दिल्ली पुलिस हो या लखनऊ पुलिस। मौर्य ने कहा कि अब जिहाद की आड़ में खुलेआम हिंदू लड़कियों की निर्मम हत्याएं एक सुनियोजित साजिश हैं। ऐसी घटनाओं के अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तो होगी। केशव ने कहा कि इन अपराधों में जो भी दोषी होगी, उसे बख्शा नहीं जाएगा, सजा जरूर मिलेगी।

2020 से ही लागू है कानून अब तक 291 केस दर्ज

यूपी के बाद पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में भी धर्मांतरण निरोधक कानून को लागू करने की मंजूरी पुष्कर सिंह धामी सरकार ने दे दी है। वहीं उत्तर प्रदेश में यह कानून 2020 से ही लागू है। इस कानून के तहत अब तक 291 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 507 से ज्यादा गिरफ्तारी हुई है। योगी सरकार ने प्रदेश में 27 नवंबर, 2020 से गैर तरीके से धार्मिक रूपांतरण निषेध कानून लागू किया है। इस कानून में 10 साल तक की जेल के साथ ही 15 हजार से 50 हजार तक जुर्माने का प्रावधान है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष पद से फारूक अब्दुल्ला का इस्तीफा

» 5 दिसंबर को होंगे चुनाव, पार्टी चुनाव तक अध्यक्ष बने रहेंगे डॉ. फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस(नेकां) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह नई पीढ़ी को कमान सौंपने का समय है। अब्दुल्ला ने कहा मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा। इस पद के लिए चुनाव पांच दिसंबर को होगा। नई पीढ़ी के लिए जिम्मेदारी संभालने का समय आ गया है।

पार्टी से कोई भी इस पद के लिए चुनाव लड़ सकता है। यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। नेकां के पार्टी चुनाव आगामी पांच दिसंबर को होने जा रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पार्टी के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। उधर, डॉ. फारूक अब्दुल्ला के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की खबरों के बीच नेकां नेता तनवीर सादिक ने ट्वीट किया है कि डॉ. अब्दुल्ला पार्टी अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। पार्टी प्रवक्ता इमरान डार ने का कहना है कि वह अपने फैसले पर अटल हैं।

उत्तराखंड के गांवों में भी होगी कैबिनेट और लगेगी चौपाल

» सीएम धामी के निर्देश, रखे जाएंगे पर्यावरण मित्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गांवों में स्वच्छता के लिए 'मुख्यमंत्री पर्यावरण मित्र' योजना शुरू की जाएगी। योजना के तहत प्रदेश के सभी 7700 गांवों में एक-एक पर्यावरण मित्र की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा गांव में कैबिनेट और मुख्यमंत्री चौपाल की शुरुआत की जाएगी। वह खुद किसी गांव में जाकर चौपाल में शामिल होंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। सचिवालय में पंचायतीराज विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के ऐसे गांव जो प्रथम (सीमांत) गांव हैं, उनके विकास के लिए 'मुख्यमंत्री प्रथम ग्राम समेकित विकास योजना' शुरू की जाएगी।

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने माणा में आयोजित कार्यक्रम में सीमाओं पर स्थित गांवों को अंतिम गांव की बजाय प्रथम गांव कहा था। ये गांव देश के प्रथम गांव के साथ प्रहरी भी हैं। हमारी पहली प्राथमिकता इन गांवों के विकास की होगी। हमारे गांवों में धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक आधार पर कुछ दिवस विशेष महत्व

के होते हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव नितेश झा, निदेशक पंचायतीराज बंशीधर तिवारी, अपर सचिव ओंकार सिंह और पंचायतीराज विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागीय मंत्री सतपाल महाराज ने ग्राम प्रधानों को आपदा निधि के लिए 10-10 हजार रुपये देने का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर विचार करने का आश्वासन दिया।

हर गांव का स्थापना दिवस मनेगा

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में इन विशेष दिवसों का चयन कर उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। ग्राम सभा का स्थापना दिवस उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इनमें उन गांवों के बाहर रहने वाले प्रवासी लोगों को प्रतिभाग करने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाए, उच्चाधिकारी भी इनमें प्रतिभाग करें। सीएम ने कहा कि ग्राम पंचायतों का सुनियोजित विकास हो, इसके लिए चौपाल लगाई जाएं। चौपाल में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए और अधिकारी भी चौपालों में प्रतिभाग करें। इसके लिए ग्राम सभावार रोस्टर बनाया जाए। स्थानीय ग्रामीण इन चौपालों में दिए जाने वाले सुझावों को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए गांवों के विकास की कार्ययोजना तैयार करें।

गांव में कैबिनेट, गांव ही एजेंडा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए गांवों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। कहा कि गांवों के विकास के लिए किसी गांव में एक कैबिनेट बैठक भी आयोजित की जाए, जिसमें गांवों के विकास से संबंधित प्रस्ताव हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर गांव के लिए मास्टर प्लान बनाया जाए। अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक लक्ष्य तय किए जाएं। सरकार की नई योजनाओं की आमजन को जानकारी हो, इसके लिए गांवों में योजनाओं की जानकारी के लिए बोर्ड लगाए जाएं।

सीवी आनंद होंगे बंगाल के अगले राज्यपाल

» भारत सरकार भी उन्हें राष्ट्रीय आवास पुरस्कार से कर चुकी हैं सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल के नाम का एलान हो गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से बताया गया कि डॉक्टर सीवी आनंद बोस बंगाल के अगले गवर्नर होंगे। डॉ. सीवी आनंद बोस भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हैं। वर्तमान मेघालय सरकार में वह सलाहकार हैं। वह लोक सेवक, आवास विशेषज्ञ, लेखक और वक्ता भी हैं।

वे विश्वविद्यालय के कुलपति से लेकर भारत सरकार के सचिव, मुख्य सचिव का पद भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वे हैबिटेट अलायंस के अध्यक्ष भी हैं और यूएन हैबिटेट गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं। बोस ने शिक्षा, वन और पर्यावरण, श्रम और सामान्य प्रशासन जैसे विभिन्न मंत्रालयों में जिला कलेक्टर और प्रधान सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में काम किया है। उन्होंने सस्ते आवास, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में कई संस्थानों की स्थापना की है। बोस ने जिनेवा में यूरोपियन काउंसिल फॉर न्यूक्लियर रिसर्च (सीईआरएन) और फ्रांस में इंटरनेशनल फ्यूजन एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (आईटीईआर) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह परमाणु उर्जा शिक्षा सोसायटी के भी अध्यक्ष रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र उनकी पहल को चार बार 'ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस' के रूप में चुन चुकी है। इसके अलावा भारत सरकार भी उन्हें राष्ट्रीय आवास पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है। बोस इसके अलावा पद्नाभस्वामी मंदिर खजाने पर सुप्रीम कोर्ट की समिति के प्रमुख थे।

एनडीए में जाने से पहले चिराग पासवान का बीजेपी को झटका

» भाजपा नेता के बेटे को अपनी पार्टी में किया शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एलजेपी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीजेपी को झटका दिया है। कुछ दिन पहले ही उन्होंने बयान दिया था कि वो एनडीए में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद इसकी घोषणा करेंगे। इससे पहले ही उन्होंने बीजेपी के बड़े नेता विनोद नारायण झा के बेटे को अपने दल में शामिल करा लिया। चिराग पासवान ने डॉ. विभय कुमार झा को एलजेपी (रामविलास) की आजीवन सदस्यता दिलाई है।

दरअसल, डॉ. विभय कुमार झा को चिराग पासवान ने आजीवन सदस्य के रूप में अपनी पार्टी में शामिल किया है। इसका मतलब यह माना जाएगा कि विभय कभी पार्टी से अलग नहीं होंगे। यहां बता दें कि विभय के पिता और बीजेपी के नेता

विनोद नारायण झा 2010 और 2020 में इस क्षेत्र से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। विनोद नारायण झा बीजेपी के बड़े नेता हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी के करीबी भी माने जाते हैं। बताया जाता है कि विभय अपने पिता के विधानसभा क्षेत्र मधुबनी जिला के बेनीपट्टी से अगला चुनाव लड़ना चाहते हैं। बता दें कि 15 नवंबर को ही लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने जमुई में यह बयान दिया था कि कहा कि वे जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की औपचारिक घोषणा करेंगे।

लिव-इन रिलेशनशिप से बढ़ रहे अपराध शिक्षित लड़कियां इससे रहें दूर: कौशल

» शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने उनके इस्तीफे की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप अपराध को जन्म दे रहे हैं और सुझाव दिया कि शिक्षित लड़कियों को ऐसे रिश्तों में नहीं आना चाहिए। यह टिप्पणी महरौली हत्याकांड की पृष्ठभूमि के खिलाफ आई है, जिसमें आफताब पूनावाला ने श्रद्धा वाकर का बेरहमी से कत्ल कर दिया था। उनके इस बयान पर शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने उनके इस्तीफे की मांग की है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री मोदी से कौशल किशोर को महिलाओं को दोष देने वाली उनकी टिप्पणी के लिए तुरंत मंत्री परिषद से बर्खास्त करने की मांग की। किशोर केंद्रीय आवास और शहरी मामलों

के राज्य मंत्री हैं। कौशल किशोर ने श्रद्धा वाकर हत्या मामले का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षित लड़कियां लिव-इन रिलेशनशिप के लिए माता-पिता को छोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं, जिससे अपराध को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें इसके बजाय कोर्ट मैरिज करनी चाहिए। यह लड़कियों की भी जिम्मेदारी है, क्योंकि वे अपने माता-पिता को छोड़ देती हैं, जिन्होंने उन्हें वर्षों तक पाला है। वे लिव-इन रिलेशनशिप में क्यों रह रही हैं। यदि उन्हें ऐसा करना ही है, तो इसके लिए उचित पंजीकरण होना चाहिए। अगर माता-पिता सार्वजनिक रूप से ऐसे रिश्तों के लिए तैयार नहीं हैं, तो आपको कोर्ट मैरिज करनी चाहिए और फिर साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाएं उन सभी लड़कियों के साथ हो रही हैं जो पढ़ी-लिखी हैं और सोचती हैं कि वे बहुत स्पष्टवादी हैं और अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। ऐसी लड़कियां इसमें फंस जाती हैं। लड़कियों को ध्यान रखना चाहिए कि वे ऐसा क्यों कर रही हैं। पढ़ी-लिखी लड़कियां जिम्मेदार हैं क्योंकि पिता और मां रिश्ते के लिए मना कर देते हैं। लड़कियों को ऐसे रिश्तों में नहीं आना चाहिए।

72 घंटे सील रहेगी इंडो नेपाल सीमा, आवागमन बंद

» नेपाल में 20 नवंबर को है आम चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेपाल में 20 नवंबर को आम चुनाव है। नेपाल के अधिकारियों ने स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से आम चुनाव कराने के लिए सहयोग की अपील की है। गुरुवार आधी रात 12 बजे जिले से लगी नेपाल सीमा सील कर दी गई। नेपाल जाने वाले सभी रास्तों पर आवागमन बंद हो गया है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सीमा पर आवागमन बहाल किया जाएगा। नेपाल में होने वाले आम चुनाव को लेकर दोनों देश के जिला स्तरीय अधिकारियों के बीच समन्वय बैठक एसएसबी कैंप में हुई। बलरामपुर के जिलाधिकारी डा. महेंद्र कुमार ने नेपाल से आए अधिकारियों का स्वागत किया।

नेपाल के दांग जिले के मुख्य जिलाधिकारी हीरा लाल रेजमी ने आम चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 72 घंटे पहले सीमा सील किए जाने, पेट्रोलिंग बढ़ाने व अराजकतत्वों पर नजर रखने के लिए सहयोग करने की अपेक्षा की। सीमावर्ती सभी थानों के साथ एसएसबी पूरी तरह मुस्तैद है।

उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने पर बसपा के वोटर्स किसके साथ!

» मैनपुरी, रामपुर और खतौली में सपा को हो सकता है फायदा

» मुस्लिम के लिए बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा, रामपुर और खतौली में विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। सपा की सीधी टक्कर सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी से है। मगर इस चुनाव में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिना कैंडिडेट उतारे ही एंट्री ली है। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम का राग बीजेपी बेवजह से लगा रही है। मुस्लिमों को लेकर बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं है। बीजेपी की निगेटिव सोच की वजह से मुस्लिम आज भी पिछड़े हुए हैं। मायावती ने भले ही उप चुनाव को लेकर बड़ा स्टेटमेंट जारी किया हो, मगर उन्होंने उप चुनाव में अपना कैंडिडेट नहीं उतारा है।

अब सवाल यह उठ रहा है कांग्रेस-बसपा के उम्मीदवार नहीं उतारने पर उनके वोटर्स किसके पाले में जाएंगे। किसको फायदा होगा और किसका ये नुकसान करेंगे। बता दें कि मैनपुरी लोकसभा सपा के संरक्षक रहे मुलायम सिंह यादव की पारिवारिक सीट मानी जाती है। इस सीट पर चार लाख के करीब यादव आबादी तो तीन लाख के करीब शाक्य वोटर्स है। इसके बाद ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम वोटर्स आते हैं। फिलहाल डिंपल को प्रत्याशी बनाने से पहले अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री रहे शाक्य जाति से आने वाले को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। बीजेपी में शामिल हुए रघुराज सिंह शाक्य भी सपा को छोड़कर ही आए हैं। यहां यादव बनाम गैर यादव उम्मीदवार की टक्कर है।

स्टार प्रचारक में शिवपाल भी शामिल

शिवपाल सिंह यादव की विधानसभा जसवंत नगर मैनपुरी लोकसभा सीट में आती है। सपा की तरफ से जारी की गई स्टार प्रचारकों की सूची में शिवपाल यादव शामिल हैं। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से पहले हुए उपचुनाव में शिवपाल यादव का नाम स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं रहा। नेताजी के निधन के बाद हो रहे चुनाव में शिवपाल सिंह यादव का नाम स्टार प्रचारकों की सूची में है। चुनाव से पहले यह पारिवारिक एकता को लेकर अखिलेश का बड़ा संदेश भी है।

बसपा-कांग्रेस के उम्मीदवार का न लड़ना

मैनपुरी लोकसभा सीट बीएसपी भले ही कभी जीती नहीं हो लेकिन उसने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। 1996 से लेकर 2014 तक हुए लोकसभा के सभी चुनाव और उपचुनाव में बीएसपी को 14 से लेकर 31 फीसदी तक वोट मिला है। बीएसपी का एक सीट पर करीब 15 फीसदी वोट पक्का है तो लोकसभा के उपचुनाव में कितने वोटों का इधर से उधर होना नतीजों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। वहीं राजनीतिक जानकार मानते हैं कि कांग्रेस का वोट सपा को जाता है। लखीमपुर खीरी के उप चुनाव के बाद सपा ने आरोप लगाया था कि बसपा का वोट भाजपा में ट्रांसफर किया जाता है। इस बार मैदान में बीएसपी के न होने का क्या परिणाम होगा, फिलहाल ये कहना मुश्किल है।

खतौली सीट का सियासी समीकरण

खतौली विधानसभा सीट के सामाजिक समीकरण में भी गुर्जर और सैनी समाज का दबदबा है। इस सीट पर करीब तीन लाख मतदाता है, जिनमें 27 फीसदी मुस्लिम 73 फीसदी हिंदू मतदाता है। 80 हजार के करीब मुस्लिम वोटर है, जो किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं तो 40 हजार दलित मतदाता है। सैनी समुदाय के 35 हजार वोट हैं तो जाट 27 हजार है और गुर्जर भी करीब 29 हजार है। साथ ही ब्राह्मण 12 हजार और राजपूत वोट 5 हजार है और 10 हजार कश्यप वोटर हैं।

आकाश सक्सेना से बीजेपी को आस, आसिम रजा पर आजम की साख

बीजेपी के नेता आकाश सक्सेना एक बार फिर से चुनाव मैदान में है। पेशे से व्यवसायी आकाश सक्सेना ने 43 मुकदमे आजम खान और उनके परिवार पर दर्ज कराएं हैं। इनमें सबसे चर्चित मुकदमा बर्थ सर्टिफिकेट के मामले में अब्दुल्ला आजम का है। ऐसे में सत्तारूढ़ पार्टी की आस आकाश सक्सेना पर ही टिकी हुई है। वहीं आसिम राजा रामपुर में सपा के नगर अध्यक्ष पद पर हैं। वह शहर के जाने-माने लोगों में शुमार होते हैं। इसके साथ ही आसिम रजा 10 बार के विधायक आजम के करीबी हैं। आजम खान के भरोसेमंद नेताओं में भी हैं। रामपुर सीट पर हुए लोकसभा उपचुनाव में भी आसिम रजा को सपा का प्रत्याशी बनाया गया था। उस चुनाव में उन्हें हार का समाना करना पड़ा था। बीजेपी उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने वह उपचुनाव जीत लिया था। घनश्याम ने सपा उम्मीदवार आसिम राजा को 42,048 वोटों से हराया था। अब फिर से आजम खान ने आसिम रजा पर भरोसा जताया है। आजम के सियासी सफर के वारिस आसिम रजा पर उनकी साख भी टिकी हुई है।

रघुराज के लिए खुद को साबित करने की चुनौती

कभी शिवपाल यादव के करीबी रहे रघुराज सिंह शाक्य को बीजेपी ने डिंपल यादव के सामने उतार दिया है। फिलहाल बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रघुराज सिंह शाक्य के नामांकन में मैनपुरी में मौजूद रहने वाले हैं। ऐसे में भाजपा ने पूरी ताकत के साथ प्रचार करने और सीट जीतने का दावा शुरू कर दिया है। लेकिन कभी सपाई रहे रघुराज सिंह शाक्य कितने वोट बीजेपी के मूल वोट से अलावा पाते हैं। ये एक बड़ी चुनौती भी है।

उपचुनाव में अखिलेश कर रहे पत्नी के लिए प्रचार

नेताजी के निधन से पहले हुए उपचुनाव के में अखिलेश ने प्रचार नहीं किया था। अखिलेश यादव आजमगढ़ की लोकसभा सीट पर प्रचार किए और रामपुर की लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रचार किए थे। सपा के जानकार मानते हैं कि नेताजी के निधन के बाद अखिलेश ने पहले उपचुनाव में प्रचार करने का फैसला किया है। फिलहाल पारिवारिक खींचतान के बीच अखिलेश ने पत्नी डिंपल को चुनाव जिताने के लिए मैनपुरी में डेरा डाल रखा है। अखिलेश ने मीडिया के दिए बयान में कहा भी कि वह मैनपुरी लोकसभा सीट जीत रहे है।

क्या कहते हैं समीकरण

यहां कुल मतदाता 3,88, 994 हैं। इनमें महिला मतदाता 182052 और पुरूष मतदाता 206904 हैं। रामपुर विधानसभा मुस्लिम बाहुल्य है। मुस्लिम में भी सबसे ज्यादा पठान और अंसारी हैं। जिनके अनुमानित मतदाताओं की संख्या करीब 80 हजार है। इसके अलावा तुर्क समेत अन्य बिरादरियां भी हैं। हिंदुओं में वैश्य और लोधी समाज के मतदाता करीब 35-35 हजार हैं। वहीं, यादव, सैनी और अनुसूचित जाति-जनजाति के भी मतदाता अच्छी संख्या में हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता 53त्न और हिंदू मतदाता 47त्न हैं। वैश्य और लोध राजपूत समुदायों के मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। साथ ही, निर्वाचन क्षेत्र की 6.14त्न आबादी अनुसूचित जाति की है।

मुस्लिम में पठान, अंसारी सबसे ज्यादा

रामपुर- खतौली में कांग्रेस-बसपा अब हासिये पर आ गई

खतौली विधानसभा में केवल एक बार ही 1980 में कांग्रेस इंदिरा से धर्मवीर सिंह चुनाव जीती है। उसके बाद कभी भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला। बहुजन समाज पार्टी के 2007 में बसपा के योगराज सिंह एक बार ही खतौली विधानसभा पर चुनाव जीती है। उसके बाद उनका प्रत्याशी जीत नहीं दर्ज करा सका। साल 2019 में ऐसा पहली बार हुआ था जब रामपुर विधान सभा में कांग्रेस महज 4182 वोटों पर सिमट गई और बसपा इससे भी कम 3441 वोटों पर रह गई। इससे साफ है कि रामपुर की सियासत में कांग्रेस और बसपा किस कदर हासिये पर आ गई हैं।

खतौली विधानसभा चुनाव में क्या किसान नेता बिगाड़ेंगे खेल

मुजफ्फरनगर के खतौली सीट पर भी कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। यह सीट भाजपा विधायक विक्रम सैनी को एमपी-एमएलए कोर्ट से दो साल की सजा के बाद खाली हुई है। इसके चलते उनकी विधायकी चली गई है। यह सीट राकेश टिकैत परिवार का गृह क्षेत्र है। ऐसे में देखना होगा कि भाजपा को यहां जीत मिलती है या फिर सपा और रालोद के कैंडिडेट को समर्थन मिलता है।हालांकि ये सीट कभी भी किसी पार्टी विशेष का गढ़ नहीं रही। अभी दो बार से ये सीट बीजेपी की झोली में आ रही है। इस सीट पर रालोद, बसपा, सपा और सीपीआई तक जीत दर्ज कर चुकी हैं। खतौली विधानसभा सीट पर इस साल हुए चुनाव में बीजेपी के विक्रम सिंह सैनी ने आरएलडी के टिकट पर लड़ रहे राजपाल सिंह सैनी को 16 हजार वोट के अंतर से हराया था। वहीं 2017 में भी बीजेपी के विक्रम सैनी ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी चंदन सिंह चौहान को हराकर ये सीट जीती थी। बसपा दोनों ही चुनावों में तीसरे पायदान पर रही थी।

शिवपाल को लेकर डैमेज कंट्रोल में जुटी पार्टी

मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव में सपा व भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। दोनों पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा हो गई है। ऐसे में जसवंतनगर विधायक शिवपाल सिंह यादव की चुप्पी सपा के लिए चुनौती बन सकती है। क्योंकि जसवंतनगर से मिलने वाली वोटों की बढ़त अन्य विस क्षेत्रों से बनी खाई को पाटने का काम करती है। सपा को भी इसका आभास है। यही वजह है कि उसने डैमेज कंट्रोल करते हुए स्टार प्रचारकों की सूची में शिवपाल का नाम शामिल कर लिया है। पर, यह कवायद कितनी कारगर होगी, यह तो वक्त बताएगा। सपा ने डिंपल यादव का नामांकन कराया तो भाजपा ने इटावा से दो बार सांसद रहे रघुराज सिंह शाक्य पर दांव लगाया है। शाक्य कभी शिवपाल सिंह के करीबी थे। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने शिवपाल का हाथ छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया। मैनपुरी लोकसभा सीट पर संख्या बल में यादव के बाद शाक्य दूसरे नंबर पर माने जाते हैं। हालांकि भाजपा द्वारा शाक्य वोट बैंक पर दांव लगाने की रणनीति को सपा ने भांप लिया था। यही वजह है कि डिंपल के नाम की घोषणा से पहले पूर्व मंत्री आलोक शाक्य को जिलाध्यक्ष बनाकर शाक्य वोट बैंक को साधने का प्रयास किया है। पर शिवपाल की चुप्पी सपा के लिए चुनौती बन सकती है। सूत्रों का कहना है कि शिवपाल सिंह व प्रसपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य यादव तीन दिन से सियासी हलचल से दूर हैं। वे इटावा में हैं। बेबाक बयान देने वाले शिवपाल मीडिया के सवालों का भी जवाब नहीं दे रहे हैं। वे वेट एंड वॉच की मुद्रा में हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सड़कों की जांच के लिए निगरानी तंत्र विकसित करें

प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटना का एक बड़ा कारण गड्ढे हैं। हकीकत यह है कि सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार का घुन लग चुका है। अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से यह सारा खेल जारी है। बिना मानकों की जांच के सड़कों को कागजों पर पास कर दिया जाता है। लिहाजा घटिया सामग्री से बनी सड़क पहली बारिश में ही बर्बाद हो जाती है।

सरकार के तमाम वादों के बावजूद प्रदेश में पिछले साढ़े पांच साल में सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। लिहाजा पिछले कुछ दिनों से सरकार ने एक बार फिर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान चलाया है। सरकार ने सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की सीमा तय पंद्रह दिन और बढ़ा दी है लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। अधिकारी और ठेकेदार सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर सरकार की आंख में धूल झोंकने में जुटे हैं। खुद पीडब्ल्यूडी मंत्री को जांच में लखनऊ और कानपुर के सड़क निर्माण में भारी खामियां मिली हैं। सड़कों के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। सवाल यह है कि साढ़े पांच साल बाद भी सड़कें गड्ढा मुक्त क्यों नहीं हो सकीं? अफसर सरकार के आदेश को दरकिनार क्यों कर रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे विभाग को अपनी चपेट में ले लिया है? सड़कों के निर्माण और मरम्मत में घटिया सामग्री का प्रयोग क्यों किया जा रहा है? क्या ठेकेदार और अफसरों की मिलीभगत से यह खेल खेला जा रहा है? क्या तय समय में प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जा सकता है? आखिर विभागीय लापरवाही पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है?

प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में जनता से गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा किया था लेकिन पहले कार्यकाल को छोड़िए दूसरे कार्यकाल में भी प्रदेश की जर्जर सड़कों का कायाकल्प होता नहीं दिख रहा है। राजधानी लखनऊ तक की सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हो सकी हैं। पुराने लखनऊ की सड़कों की हालत और भी खराब है। कैसरबाग बस अड्डे की सड़क चलने लायक नहीं है। गोमतीनगर विस्तार के कई इलाकों में सड़कों का बुरा हाल है। यही हाल कानपुर का है। जब प्रदेश के बड़े शहरों का यह हाल है तो दूसरे शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब है जब सड़कों में पड़े गड्ढों से होने वाले हादसों में लोगों की मौत को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटना का एक बड़ा कारण गड्ढे हैं। हकीकत यह है कि सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार का घुन लग चुका है। अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से यह सारा खेल जारी है। बिना मानकों की जांच के सड़कों को कागजों पर पास कर दिया जाता है। लिहाजा घटिया सामग्री से बनी सड़क पहली बारिश में ही बर्बाद हो जाती है। जाहिर है यदि सरकार प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करना चाहती है तो उसे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगाना होगा। इसके अलावा इन सड़कों की जांच के लिए अलग से निगरानी तंत्र भी विकसित करना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जहरीली हवा से छुटकारा कब

पत्रलेखा चटर्जी

नवंबर के महीने में क्या कभी प्रदूषित हवा से छुटकारा मिल सकता है? अगर आप दिल्ली में रहते हैं, या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र या उत्तर भारत के किसी भी इलाके में रहते हैं, तो यह ऐसा समय है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स-एक्यूआई) हर रोज चर्चा का विषय बन जाता है। हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जब हवा की गुणवत्ता में थोड़ा-सा भी सुधार होता है और हवा की गुणवत्ता को गंभीर% या खतरनाक के बजाय खराब के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो जश्न मनाने लगते हैं। लेकिन आंशिक रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, औद्योगिक एवं वाहनों के धुएं तथा सड़कों की धूल की वजह से दिल्ली की जहरीली, धुएं से भरी हवा उन सभी लोगों के लिए आम बात हो गई है, जो इस शहर में रहते हैं। यह खबर बन जाती है, क्योंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। हर साल सर्दियों में हवा में विषाक्तता कई कारणों से बढ़ जाती है, जिसमें हवा की कम गति, त्योहार की आतिशबाजी और राज्यों में किसानों द्वारा फसल अवशेषों को जलाना शामिल हैं।

मानव स्वास्थ्य पर इसके भयंकर दुष्प्रभावों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। मगर भारत में वायु प्रदूषण न तो दिल्ली तक सीमित है और न ही सर्दियों तक और न ही शहरों तक। वायु प्रदूषण के बारे में सभी गर्मागर्म चर्चाओं में, जिस बात को अक्सर नजर अंदाज किया जाता है वह है, लोगों के विभिन्न समूहों पर वायु प्रदूषण का अलग-अलग प्रभाव। प्रदूषित हवा सबको प्रभावित करती है, लेकिन समान रूप से नहीं। जिन लोगों को अपनी आजीविका के लिए बाहर रहने की आवश्यकता होती है, वे प्रदूषित हवा से अधिक प्रभावित होते हैं। निवास स्थान भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सघन औद्योगिक या व्यावसायिक स्थानों के पास रहने वाले गरीब लोग घर के साथ-साथ काम पर भी औद्योगिक प्रदूषण के अधिक जोखिम का सामना करते हैं। इस आलेख को लिखे जाने के समय दिल्ली का एक्यूआई कुल मिलाकर 295 है, लेकिन दिल्ली में हर कोई एक ही तरह की जहरीली हवा में सांस नहीं ले रहा है। प्रमुख परिवहन केंद्र आनंद विहार, जहां वाहनों के उत्सर्जन और सड़क की धूल की उच्च सांद्रता है और साहिबाबाद का औद्योगिक क्षेत्र तथा पास में स्थित गाजीपुर लैंडफिल का एक्यूआई 342 से ऊपर है। उन लोगों की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिनके पास दिन के अधिकांश समय बाहर रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जैसे रिक्शा चालकों, सड़क पर दुकान लगाने वालों को जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है। इसके विपरीत, यदि आप दिल्ली के मध्य

में स्थित लक्जरी होटल, द ओबेरॉय के मनोरंजन कक्ष में जाते हैं, तो आपको एक संकेत दिखाई देगा कि होटल सुइट्स के भीतर एक्यूआई 10 से कम है। पांच नवंबर को इस लक्जरी होटल के भीतर एक्यूआई वास्तव में सिर्फ तीन था, जबकि उस दिन दिल्ली का कुल एक्यूआई 444 था। इस लक्जरी होटल का कहना है कि इसमें अत्याधुनिक केंद्रीकृत वायु शोधन प्रणाली है, जो ग्राहकों के होटल के कमरे में आने और होटल के अन्य हिस्सों में सांस लेने पर हवा को मौलिक रूप से साफ करती है। ओबेरॉय के एक वेटर ने मुझे बताया कि वह केवल स्वच्छ हवा के लाभ के कारण होटल के अंदर लंबे समय तक रहने से खुश है और जब उसने होटल से बाहर कदम रखा, तो उसने मास्क पहना था। अति समृद्ध भारतीय अब एयर प्यूरिफायर लगाकर, घर के अंदर अधिक संरक्षित हवा में खुद को बचाना चाहते हैं और बाहर निकलते समय मास्क लगाते हैं। यह मदद तो करता है, लेकिन केवल आंशिक रूप से, क्योंकि एयर प्यूरीफायर पर काफी पैसे खर्च होते हैं और प्रत्येक कमरे को शुद्ध करने में बहुत खर्च आता है। इसके अलावा, हममें से बहुत कम लोग ही हमेशा स्वच्छ हवा वाले परिसरों में कैद होकर रह सकते हैं। दिल्ली की प्रसिद्ध सुंदर नर्सरी ने एक आउटडोर एयर प्यूरीफायर भी लगाया है, लेकिन इसका प्रभाव इसके आसपास तक ही सीमित है। बाकी लोग क्या करें? विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग वायु प्रदूषण को लेकर ज्यादा संवेदनशील होते हैं। भारत में शहरी वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच करने वाले 2011 के एक शोध पत्र ने निष्कर्ष निकाला कि ऐसा प्रदूषण विशेष रूप से गरीब लोगों के लिए हानिकारक है। उस शोध पत्र में बताया गया कि कम आय वाले लगभग 74 फीसदी लोग सालाना चौबीसों घंटे के औसत 150 माइक्रोग्राम/ घन मीटर से अधिक पीएम 10 सांद्रता स्तर में रहते हैं, जबकि मध्यम या उच्च आय वाले लोगों का यह आंकड़ा लगभग 58 फीसदी है। आवासीय क्षेत्रों के लिए सुरक्षित स्तर का मानक 60 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक है। ये मुद्दे समानता से संबंधित हैं; उन्हें जहरीली हवा और इसके कारण होने वाली उच्च मृत्यु दर और बीमारी के बोझ के बारे में चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यह सभी चार राज्य सरकारों की विफलता के कारण है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाई जा रही है, जिससे हवा में भारी प्रदूषण हो रहा है। किसान मजबूरी में पराली जला रहे हैं और यह सरकारों की विफलता के कारण हो रहा है।

महिला अपराध और पुलिस जांच

रजनीश कपूर

2012 के छावला बलात्कार और हत्या मामले के सभी आरोपियों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गत 7 नवंबर को रिहा कर दिया गया। हैरानी की बात है कि इस जघन्य अपराध में कोई दोषी नहीं पाया गया। कोर्ट ने अपने आदेश में जो कहा, उससे यही पता चलता है कि पुलिस की जांच और निचली अदालत की सुनवाई में कई जगह कमियां थीं। जाहिर सी बात है कि इस फैसले से न सिर्फ पीड़िता का परिवार बल्कि पूरा देश हैरान है। रेप और हत्या की जांच कर रही पुलिस भी सवालों के घेरे में है। अगर बलात्कार और हत्या हुई है तो कोई न कोई दोषी तो होगा ही? अगर इन तीन आरोपियों को सुबूतों के अभाव में छोड़ दिया गया है तो असली अपराधी कौन है? वो आज भी बेखौफ क्यों घूम रहा है? यदि ये तीनों बेकसूर थे तो इतने सालों तक सलाखों के पीछे किस आधार पर थे? यदि पुलिस की प्राथमिक जांच सही नहीं थी तो निचली अदालत ने इन तीन आरोपियों को किस आधार पर फांसी की सजा सुनाई? निचली अदालत ने पुलिस जांच में हुई गलतियों को नजरअंदाज क्यों किया? निचली अदालत के फैसले पर हाईकोर्ट ने मुहर क्यों लगाई?

दस साल पहले हुए इस अपराध की जांच अधिकारियों को इस चर्चित मामले में 'मुस्तैदी' से जांच के आधार पर किसी न किसी तरह का इनाम जरूर मिला होगा। उन सभी अधिकारियों में से कुछ सेवानिवृत भी हो चुके होंगे। ऐसे में उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की जाएगी? अभियोजन पक्ष की ओर से अदालतों में पेश हुए वकीलों के प्रति सरकार का क्या रवैया रहेगा? क्या उन 'अनुभवी' वकीलों के खिलाफ भी कोई कार्यवाही की जाएगी? ये सभी सवाल हमारी मौजूदा जांच व्यवस्था को शक के दायरे में लाते हैं।

मामला दस साल पुराने छावला रेप और हत्या का हो। बिल्किस बानो का हो। प्रियदर्शनी मट्टू का हो। दहेज उत्पीड़न के कारण बेटियों की रहस्यमयिक मृत्यु का हो। महिलाओं के खिलाफ हुए इन अपराधों में पुलिस की प्राथमिक जांच अपराध के जड़ तक पहुंचने की अहम कड़ी होती है। प्राथमिक जांच ही अपराधी को उसके सही अंजाम तक पहुंचा सकती है। जरा सी कोताही केस को गलत दिशा में मोड़ सकती है। ये बात केवल महिला अपराधों पर लागू नहीं होती। परन्तु प्राय: ऐसा देखा गया है कि पुलिस अधिकारी किन्ही कारणों से जब संगीन अपरोधों की जांच को पूरी क्षमता से नहीं कर पाते तो उन्हें अदालत की लताड़ झेलनी पड़ती है। जांच में कोताही के कारण ही असल अपराधी छूट जाते हैं। मेरठ की स्निग्धा मल्होत्रा की गत 23 अक्टूबर को मृत्यु हुई थी। मृत्यु का कारण स्निग्धा द्वारा मरी हुई बच्ची के कारण हुए इंफेक्शन को बताया जा रहा है। स्निग्धा के परिवार वालों के द्वारा ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। ससुराल वालों पर आरोप है कि स्निग्धा के गर्भ में पल रही सात महीने की बच्ची का गर्भपात कराया गया। स्निग्धा के मायके वालों की मांग पर मृत शिशु का पोस्टमार्टम करवाया गया। इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब मेरठ निवासियों स्निग्धा को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन किए। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। परन्तु आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। शायद इस घटना के आरोपी भी रसूख वाले हैं। लेकिन कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हों कानून के शासन का एक मूल सिद्धांत है, 'कि आप कितने ऊंचे क्यों न हों कानून आपसे ऊपर है।' इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों को इस बात को ध्यान में रखते हुए जांच को सही दिशा में करना चाहिए। 2018 में थॉमसन-रॉयटर्स फाउंडेशन द्वारा एक सर्वे के मुताबिक भारत महिला अपरोधों के मामले में सबसे पहले स्थान पर आता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार साल 2007 और 2016 के बीच महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा व अपराधों के मामलों में 83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया भर में ऐसे कई देश हैं जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिये बहुत कड़ी सजाएं हैं। मुस्लिम देशों में हाथ काटने से लेकर सिर कलम करने की सजा के प्रावधान भी हैं। भारत के मुकाबले और देशों में महिला अपराध पर बहुत जल्द और कड़ी कार्यवाही होती है। हमारे देश के कानून कब और कितने सख्त होंगे ये तो आने वाला समय ही बताएगा। परंतु ऐसे सर्वे में अगर देवियों को पूजने वाला भारत अव्वल नंबर पर आता है तो यह हमारे लिये शर्म की बात है। महिला सुरक्षा और विकास को लेकर सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' जैसे लुभावने नारे तो जरूर दिये जाते हैं परंतु ये कितने व्यावहारिक साबित होते हैं इसका पता तब चलता है जब मामले में पीड़ित को न्याय मिलता हैया नहीं मिलता। दिल्ली के निर्भया कांड में जिस तरह देश भर में तूफान मचा और फिर कड़े कानून बने उससे समाज में कुछ उम्मीद जागी थी। परंतु जिस तरह बिल्किस बानो या छावला रेप के आरोपियों को जांच की कमियों के चलते छोड़ दिया गया, उससे ऐसे नारों पर भी संदेह होता है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो नारे केवल चुनाव के दौरान वोट बटोरने के लिए ही होते हैं। नारों को अमल में लाने के लिए सरकारी तंत्र को सही दिशा में चलना होगा और कड़े कदम भी उठाने होंगे।

जाड़े में रामबाण है कच्चा लहसुन

लहसुन एक औषधीय खाद्य पदार्थ है, जो शरीर के कई रोगों का नाश करता है। लेकिन, जब आप जाड़े में इसका कच्चा सेवन करते हैं, तो जाने-अनजाने शरीर के 11 रोगों को दूर कर देते हैं। ठंड में लहसुन के फायदे पाने के लिए आपको इसे खाली पेट खाना चाहिए। डॉ. अबरार मुल्तानी ने बताया कि खाली पेट लहसुन की 2 कली छीलकर चबाएं। इसके साथ 1 गिलास गुनगुना पानी भी पी सकते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक, कच्चा लहसुन खाने के 30 मिनट बाद तक आपको किसी चीज का सेवन नहीं करना है।

डिटॉक्स करने वाला फूड

लेड जैसे मेटल शारीरिक अंगों के लिए खतरनाक होते हैं। यह शरीर में जहर बना देते हैं, जिसे टॉक्सिन्स कहा जाता है। लेकिन कच्चे लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड इन मेटल से होने वाले डैमेज को खत्म करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

मांसपेशियों में दर्द

अगर आपको बार-बार जोड़ों में दर्द या मसल्स में दर्द होता है, तो यह शरीर में बढ़ रही इंफ्लामेशन का लक्षण होता है। लेकिन कच्चे लहसुन में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो सूजन को खत्म करके दर्द से राहत देते हैं। वहीं, जाड़े में ठंड को दूर रखने के लिए भी लहसुन फायदेमंद होता है।

कोलेस्ट्रॉल-हाई ब्लड प्रेशर

नसों में गंदा कोलेस्ट्रॉल जम जाने से रक्तचाप उच्च हो जाता है। दोनों ही समस्याएं दिल की बीमारी का खतरा बढ़ा देती हैं। आयुर्वेद कहता है कि हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज कच्चा लहसुन खाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं।

अल्जाइमर और डिमेंशिया

फ्री-रेडिकल्स के कारण होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस आपके दिमाग की उम्र बढ़ा देता है। जिसके कारण अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी दिमागी बीमारी हो सकती है। लेकिन, कच्चे लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का नुकसान कम कर देते हैं।

थकावट कमजोरी

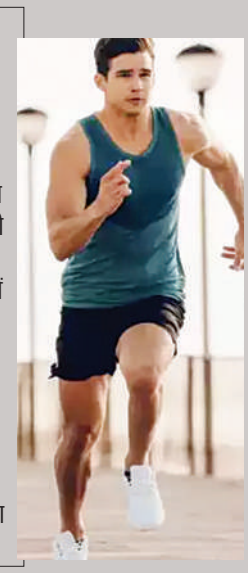

एक्सपर्ट कच्चे लहसुन का सेवन एथलीट और स्पोर्ट्स प्लेयर के लिए काफी अच्छा मानते हैं। क्योंकि कई रिसर्च में इसे एथलीट परफॉर्मेंस को बढ़ाने वाला पाया गया है। लहसुन खाने से आपको रोजाना होने वाली थकावट व कमजोरी से छुटकारा मिलता है।

हड्डियां रहती है मोटी

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मोटाई कम होने लगती हैं और वे कमजोर हो जाती हैं। आयुर्वेद में कच्चे लहसुन का सेवन हड्डियों की मजबूती के लिए फायदेमंद माना गया है। लहसुन खाने से महिलाओं में एस्ट्रोजन हॉर्मोन में इजाफा होता है, जो हड्डियों की मजबूती में महत्वपूर्ण पाया गया है।

ठंड में नहीं होता जुकाम

कच्चा लहसुन खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा जुकाम की बीमारी में मिलता है। जिन लोगों की इम्युनिटी बूस्ट रहती है, उन्हें सर्दी-जुकाम जैसे आम संक्रमण परेशान नहीं कर पाते हैं। एक स्टडी के मुताबिक, लहसुन का सेवन करने से आपके बीमार पड़ने का खतरा 61 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

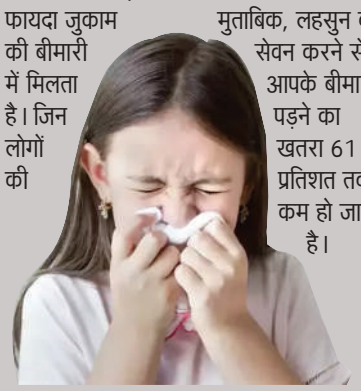

हंसना मना है

कोच अपने छात्र से: मैं बैडमिंटन के बारे में सबकुछ जानता हूं। छात्र: सब कुछ? कोच: हां... विश्वास नहीं हो तो कुछ भी पूछ सकते हो। छात्र: बैडमिंटन नेट में कितने छेद होते हैं? कोच बेहोश।

दो चूहे पेड़ पर बैठे थे... नीचे से एक हाथी गुजरा, एक चूहा हाथी पर गिर गया...तभी दूसरा चूहा बोला, दबा कर रख इसे, मैं भी आता हूं।

गर्लफ्रेंड: क्या आप मेरे लिए शेर को मार के ला सकते हो? बॉयफ्रेंड: नो जी, कुछ और बताओ, मैं तुम्हारे लिए और कुछ भी कर सकता हूं.. गर्लफ्रेंड: क्या मैं तुम्हारा फेसबुक/व्हाट्सऐप चेक कर सकती हूं बॉयफ्रेंड: कहां है वो शेर जिसके बारे में तुम बात कर रहीं थीं?

टिल्लू ने पिल्लू को थप्पड़ मार दिया... पिल्लू: ये तूने मजाक में मारा या सच में मारा? पिल्लू: सच में मारा। टिल्लू तो ठीक है, मुझे मजाक बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

भूगोल की खूबसूरत टीचर ने टीटू से पूछा... टीचर: गंगा कहां से निकलती है और कहां मिलती है? टीटू: घर से स्कूल के लिए मेकअप करके निकलती है, और स्कूल के पीछे कालू से मिलती है। टीटू को पड़े जोर के थप्पड़....

खचाखच भरी मुंबई लोकल में एक खूबसूरत महिला सफर कर रही थी। अचानक किसी ने जंजीर खींच दी। पास में खड़े...कानपुरिया लड़के का हाथ छू गया। महिला: आराम से खड़े हो जाओ! लड़का: सॉरी। कुछ देर बाद...किसी ने फिर जंजीर खींच दी। महिला: काय करतो तुमी। कानपुरिया लड़का: खैनी लगा रहे हैं।

कहानी | आम तोड़ना भारी पड़ा

एक न्यायाधीश अत्यंत सदा जीवन व्यतीत करते थे। वह अपनी पत्नी के साथ एक साधारण मकान में रहते और सीमित साधनों में गुजारा करते थे। अधिक की लालसा उनके मन में नहीं थी। जो अर्जित कर पाते थे, उसमें ही संतुष्ट रहते थे। एक बार उन्हें किसी सरकारी कार्य से सतारा जिले में पाना पड़ा। सतारा में उन्हें अनेक स्थानों पर जाना था। उनके साथ में उनकी पत्नी भी थी। उन्होंने पत्नी से कहा तुम सरकारी रेस्ट हॉउस में जाकर आराम करो में कार्य निपटाकर बाद में आ जाऊंगा। पत्नी ने घोड़ा-गाड़ी ली और गेस्टहाउस की ओर चल दी। घोड़ा-गाड़ी रवाना हुई, तो मार्ग में एक आम का बगीचा दिखाई दिया। रसीले आम देखकर न्यायाधीश की पत्नी के मन में लालच आ गया। उसने घोडा-गाड़ी रुकवाई और चुपके से आम बगीचे में दाखिल हो गई। पत्थर मारकर उसने दो-तीन आम गिराए। दुर्भाग्यवश एक बड़ा आम उनके हाथ पर ही आ गिरा, जिससे उनकी स्वर्णजड़ित चूड़ी टूट गई। टूटा स्वर्ण अंश भी नहीं मिला। उन्हें बहुत पश्चात्ताप हुआ। घर आकर उन्होंने पति को सारी बात बताई। पति ने कहा-पराई वस्तु लेने का यही परिणाम होता है। साथ में मुझे भी तुम्हारे अपराध की थोड़ी सजा मिल गई। मेरी घ?ी कहीं खो गई। न्यायाधीश की पत्नी ने भविष्य में ऐसा फिर नहीं करने का संकल्प लिया। सार यह है कि आप की कौड़ी पुण्य का सोना भी खींच लेती है।

सीख: अच्छे कर्म सद्गति की ओर तथा बुरे कर्म दुर्गति की ओर ले जाते हैं। अत: सदैव अच्छे कर्म करें।

5 अंतर खोजें

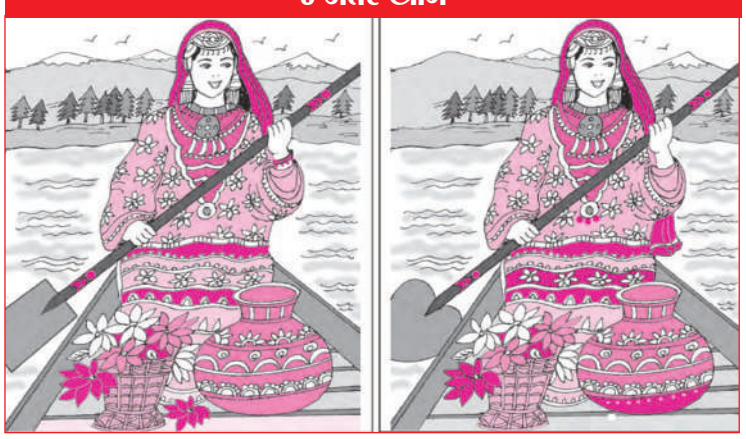

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज अपनी सेहत के चिंता करने की कतई जरूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। फिजूलखर्ची के शिकार हो सकते हैं। इसलिये सावधान रहें।

वृषभ

रुके हुए सारे काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। अगर आप अपने बड़े भाई-बहनों के सहयोग से किसी भी काम को शुरू करेंगे, तो उसमें आपको तरक्की जरूर मिलेगी।

मिथुन

धन लाभ की संभावनाएं हैं। आपके पास बहुत काम बकाया है जैसी भी स्थिति हो आप यह सब काम प्रभावी तरीके से पूरा कर लेंगे। आय का अतिरिक्त स्रोत प्राप्त कर सकते हैं।

कर्क

आज आप खुद को सुकून में और जिंदगी का लुत्फ उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। परिवार के लिए अच्छी खबर आने की संभावना है।

सिंह

आज आप जीवन के प्रति आपके नजरिये में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ छोटी यात्राओं या भ्रमण की योजना बन सकती है। आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा।

कन्या

आज व्यापार के क्षेत्र में आप अलग पहचान बनाने में कामयाब होंगे। आपका जीवनसाथी और बच्चे खुशी का स्रोत होंगे। हालांकि, मां का स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है।

तुला

स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है। आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें।

वृश्चिक

आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज विदेश दौरे के चांस बन रहे हैं।

धनु

कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो।

मकर

आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

कुम्भ

आज परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सैलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है।

मीन

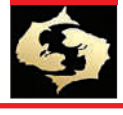

गृहस्थी में समस्या हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों के लिए भी रैंक और पारिश्रमिक के संबंध में सुधार संभव है। आपको अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखने की जरूरत है।

छोटा पर्दा | मन की बात

जॉन अब्राहम एक शानदार इंसान हैं : मधुरिमा तुली

बिग बॉस 13 फेम मधुरिमा तुली ने अरुण गोपालन की एक्शन-थ्रिलर तेहरान में बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम की पत्नी की भूमिका निभाने के बारे में बात करते हुए अपने काम के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री को कस्तूरी, परिचय, कुमकुम भाग्य, चंद्रकांता जैसे टीवी शो में उनके काम के लिए जाना जाता है और उन्हें 2015 की फिल्म बेबी में बॉलीवुड के एक्शन हीरो अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभाते हुए भी देखा गया था। उन्होंने कहा कि बेबी के बाद तेहरान में फिर से एक स्टार पत्नी की भूमिका निभाना उनके लिए वास्तव में रोमांचक है। उन्होंने अपने अनुभव को लेकर कहा, जब मुझे बेबी मिली, तो मैं वास्तव में रोमांचित थी, मैं खुश और उत्साहित थी। वास्तव में, मुझे कुछ प्रस्ताव भी मिले जिन्हें मैंने खुद मना कर दिया। अब इस किरदार को निभाकर फिर से उद्योग में एक और कदम रखना बहुत अच्छा है। जैसा कि किसी ने कहा चीजों को चलते रहना चाहिए। भले ही यह एक छोटी सी भूमिका हो, आप कभी नहीं जान सकते कि यह कब बड़ी हो सकती है। मुझे लगा कि यह एक महान परियोजना की तरह लग रही थी। तेहरान में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर मुख्य भूमिका में हैं। चल रहे रूसी-यूक्रेनी युद्ध संकट के बारे में जानने के इच्छुक लोगों के लिए यह फिल्म दिलचस्प होने वाली है। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया, फिल्म में मेरी भूमिका एक पुलिस वाले की पत्नी की है। यह इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे पुलिस वाले की जान हमेशा खतरे में रहती है और वह बाहर काम करता है, जबकि उसकी पत्नी बच्चों के साथ रहती है और समय बिताती है।

अगले साल ओटीटी पर दस्तक देगी

सिद्धार्थ मल्होत्रा-रश्मिका मंदाना की 'मिशन मजनू'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'मिशन मजनू लंबे वक्त से खबरों में है। दर्शक इस फिल्म को देखने के लिए काफी टाइम से बेताब हैं। इसी बीच खबर है कि यह फिल्म आने वाले साल 2023 में 18 जनवरी को दर्शक अपने घर बैठे-बैठे इस फिल्म को एन्जॉय करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माताओं की डील ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के साथ हुई है। यानी कि यह फिल्म अगले साल सीधे नेटफ्लिक्स पर आएगी। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियली ऐलान नहीं किया गया है।

'पिंकविला' की रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'मिशन मजनूं' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 18 जनवरी, 2023 को रिलीज की जाएगी। हालांकि कुछ अन्य रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह फिल्म 26 जनवरी के आस-पास ओटीटी पर रिलीज होगी।

आपको बता दें कि 'मिशन मजनू' में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा, रश्मिका मंदाना संग स्क्रीन स्पेस शेयर कर रहे हैं। इस फिल्म को शांतनु बागची ने डायरेक्ट किया। फिल्म की कहानी एक भारतीय एजेंट की है, जो पाकिस्तान के परमाणु बम बनाने के गलत इरादों को नाकाम करता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडिया-पाकिस्तान वाली थीम को देखते हुए ही फिल्म की मेकिंग टीम ने इसे 26 जनवरी के आस-पास रिलीज करने का फैसला किया है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में इसकी रिलीज डेट 18 जनवरी बताई गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा-रश्मिका मंदाना के काम के बारे में बात करें तो हाल ही में सिद्धार्थ को 'थैंक गॉड' में देखा गया था। भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रंग नहीं दिखा पाई लेकिन फिल्म कई वजहों से खबरों में रही है। अब इस फिल्म के बाद सिद्धार्थ के रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' के साथ अपना डेब्यू करने वाले हैं। इस बाद वह फिल्म 'योद्धा' में देखने वाले हैं।

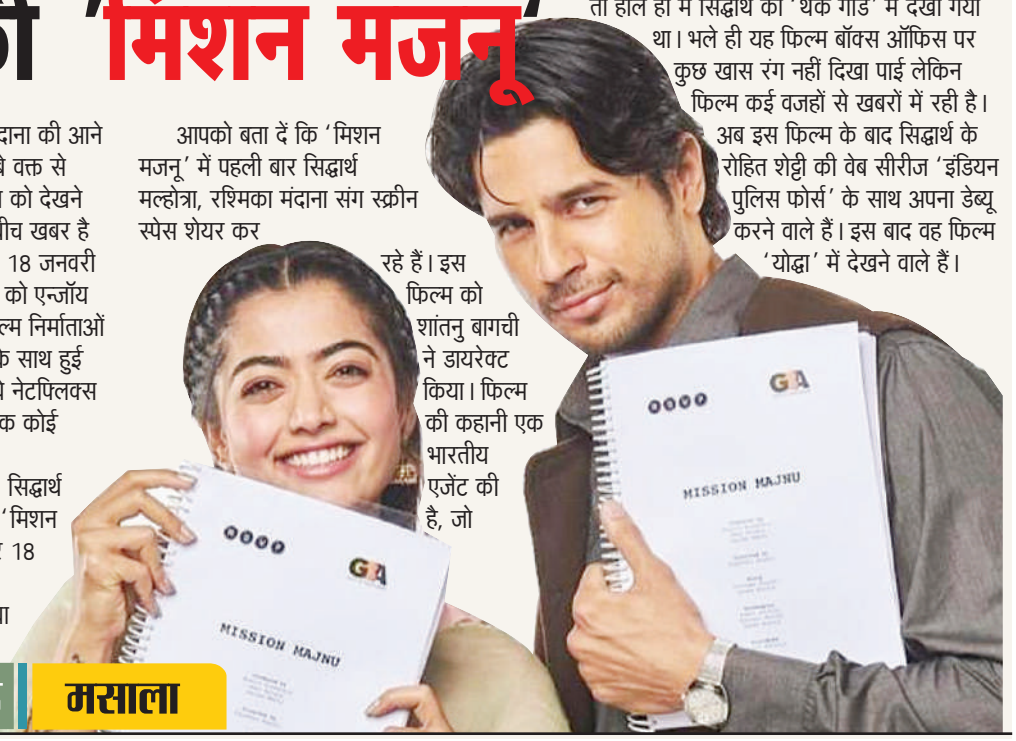

बॉलीवुड | मसाला

आईफा रॉक्स की मेजबानी करेंगे करण और फराह

करण जौहर और फराह खान अगले साल की शुरुआत में अबू धाबी में आईफा रॉक्स कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार कार्यक्रम (आईफा) लगातार दूसरे वर्ष अबू धाबी के यस द्वीप में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। आईफा रॉक्स 2023 में अमित त्रिवेदी, बादशाह, न्यूक्लिया और सुनिधि चौहान समेत कई बॉलीवुड कलाकार लाइव परफॉर्मेंस करेंगे।

इस बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा कि वह इस साल आईफा रॉक्स की मेजबानी करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने दो दशकों से अधिक समय से आईफा के साथ एक खास रिश्ता साझा किया है। फराह के साथ मंच पर धूम मचाना खुशी की बात होगी। बता दें कि फराह खान ने इस साल जून में 22वें एडिशन में अपारशक्ति खुराना के साथ आईफा रॉक्स की मेजबानी की थी। वहीं, दूसरी ओर फराह खान ने कहा, मैं ठीक नौ महीने बाद फरवरी में इस शो को होस्ट करने के लिए वापस लौट रही हूं। करण जौहर के साथ कार्यक्रम की मेजबानी करने में काफी मजा आएगा। वहीं, आईफा रॉक्स 2019 में प्रस्तुति देने वाले संगीतकार-गायक अमित त्रिवेदी ने कहा कि वह फिल्म गाला में वापसी के लिए उत्साहित हैं। बादशाह भी लाइव परफॉर्मेंस का इंतजार कर रहे हैं। रैपर ने कहा, 2017 में आलिया भट्ट ने आईफा अवॉर्ड्स में मेरा गाना लड़की ब्यूटीफुल कर गई चुल गाकर पूरे न्यूयॉर्क में धूम मचा दी थी।

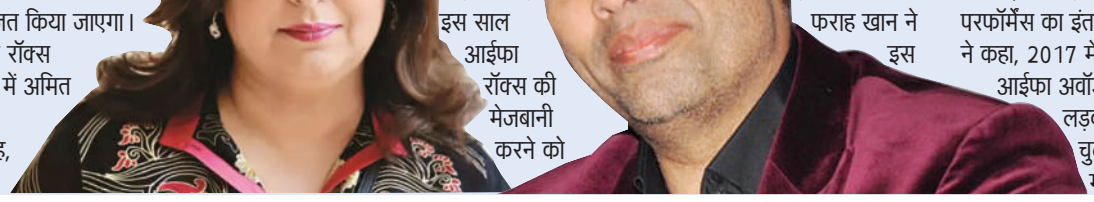

अजब-गजब | धूप में कम से कम निकलने की दी जा रही सलाह

इस गांव में धूप से गल जाती है लोगों की स्किन, हैरान कर देने वाली वजह

गर्मियों के दिनों में अक्सर लोगों की स्किन धूप की वजह से झुलस जाती है। जिससे ऐसा लगता है कि तेज धूप उनकी स्किन को जला ही देगी। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोगों की त्वचा धूप से पिघल जाती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ब्राजील के साओ पाउलो के एक गांव के बारे में। इस गांव का नाम है अरारस। यह गांव त्वचा की एक बहुत ही अजीबो गरीब और दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है। इसे एक्सोडेरमा पिगमेंटोसम यानी एक्सपी कहते है।

इस बीमारी में धूप के कारण स्किन गल जाती है। वैसे तो यह बीमारी लाखों लोगो में से किसी एक को होती है पर इस गांव में 3 फीसदी आबादी इस बीमारी से पीड़ित है। स्किन की इस बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए धूप में निकलना सजा की तरह है। धूप में निकलने से सूरज की किरणें झुलसा देती हैं। एक्सपी बीमारी बहुत ज्यादा संवेदनशील होने पर स्किन कैंसर का रूप ले लेती है और त्वचा को धूप से पहुंचने वाले नुकसान को सही करना नामुमकिन हो जाता है। धूप के चलते स्किन लाल और रूखी पड़ जाती है और चेहरा भद्दा दिखने लगता है।

अरारस में ज्यादातर खेती से जुड़े समुदाय रह रहे हैं। ऐसे में वो धूप में काम करने से बच नहीं सकते। कुछ लोगों के पास तो धूप में काम करने के सिवा और कोई चारा भी नहीं है। इसका नतीजा ये हो रहा है कि स्किन

की इस भयानक बीमारी के चलते लोगों की जिंदगी मुश्किल होती जा रही है। इस गांव में 800 लोगों में से 20 लोग इस बीमारी के शिकार हैं। मतलब ये हुआ कि हर चालीस लोगों में एक आदमी इस बीमारी से पीड़ित है, जबकि अमेरिका में 10 लाख लोगों में कोई एक शख्स ही इस बीमारी का शिकार है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यहां अनुवांशिकता बताई जा रही है। अरारस में रहने वाले जालमा एन्टोनियो कई साल से इस बीमारी से पीड़ित हैं। एन्टोनियो खेती किसानी से जुड़े हैं इसलिए उन्हें हमेशा धूप में काम करना पड़ा। लिहाजा, उनकी स्किन की हालत हर दिन बिगड़ती गई। एन्टोनियो जब नौ साल के थे तभी उन्हें इस बीमारी के लक्षण नजर आने लगे थे। उनके चेहरे पर चकत्ते और छोटा दाने होने लगे थे। वो कहते हैं कि अगर वो खुद को धूप से बचा पाए होते, तो आज हालात कुछ और होते। धूप में उनकी नाक, होंठ, गाल और आंख सब गल कर बिगड़ गया । इस दौरान उनकी 50 से ज्यादा सर्जरी हो चुकी है। अब वो अपने चेहरे को धूप से बचाने के लिए ओरेंज मास्क और टोपी पहनते हैं, जिससे उन्हें बीमारी को काबू में करने में थोड़ी मदद मिल रही है। एन्टोनियो जैसी ही हालत गांव के बाकी पीड़ितों की भी है। हालांकि अब इस बीमारी से बचने के लिए गांव में लोगों को जागरुक किया जा रहा है। बच्चों को इसके शुरुआती लक्षणों के बारे में बताया जा रहा है और उन्हें धूप में कम से कम निकलने की सलाह दी जा रही है।

ये था दुनिया का सबसे खतरनाक तानाशाह जो लोगों को मारकर पीता था उनका खून

पूरी दुनिया में सैकड़ों तानाशाह हुए हैं जो अपनी क्रूरता के लिए आज भी याद किए जाते हैं। वैसे तो वर्तमान में उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उनके बारे में हर कोई जानता है लेकिन ईदी अमीन के बारे में कम ही लोग जानते हैं। आज हम आपको ईदी अमीन के बारे में बताने जा रहे हैं जो छह फीट चार इंच लंबा था। उसका वजन करीब 135 किलो से अधिक था, जो युगांडा का तानाशाह था। ईदी अमीन को दुनिया के सबसे क्रूर और निर्दयी तानाशाहों में से एक माना जाता है। ईदी अमीन ने युगांडा पर करीब 8 साल तक शासन किया था लेकिन इस दौरान उसने इतनी क्रूरता दिखाई जो शायद ही मानव इतिहास में आपने कभी सुनी हो। ईदी अमीन का जन्म साल 1925 में हुआ था लेकिन किस तारीख को इसके बारे में किसी को कुछ भी सही से पता नहीं है। ईदी अमीन पहले एक हैवी वेट बॉक्सिंग चैंपियन था लेकिन 1971 में वो मिल्टन ओबोटे को हटा से हटाने और उश पर अपना कब्जा जमाने में सफल हुआ था। हालांकि इस बात का कोई सहीं आंकड़ा तो नहीं है लेकिन मानव अधिकार समूहों का मानना है कि ईदी अमीन के आठ साल के कार्यकाल के दौरान युगांडा में करीब पांच लाख लोगों की निर्दयी हत्या हुई थी। कहा जाता है कि ईदी अमीन को एशियाई लोगों से काफी नफरत थी। इसीलिए 4 अगस्त 1972 को उसने एक दिन अचानक युगांडा में रह रहे 60000 एशियाइयों लोगों को युगांडा छोड़ने का आदेश सुना दिया। इसके लिए उसने लोगों को 90 दिनों का समय दिया। कहा जाता है कि ऐसा उसने एक सपना आने के बाद किया जिसके बारे में उसने कहा था कि अल्लाह ने उससे कहा है कि वो सारे एशियाइयों को अपने देश से तुरंत निकाल बाहर करें। इतना ही नहीं उसने लोगों को मात्र 55पाउंड और 250 किलो सामान अपने साथ लेकर जाने की इज्जात दी थी। ईदी अमीन के बारे में एक बात और कही जाती है। कहा जाता है कि इस सनकी तानाशाह का एक साथ 30 महिलाओं का एक हरम हुआ करता था। इन महिलाओं में डॉक्टरों, होटल में काम करने वाली महिलाएं और नर्स हुआ करती थी। वहीं इस सनकी तानाशाह ने करीब छह महिलाओं से शादी की थी। बाद में इसने तीन महिलाओं को तलाक दे दिया था।कहा जाता है कि इसके 35-40 बच्चे थे लेकिन सही जानकारी किसी के पास नहीं थी। अमीन काकवा जनजाती से आता था। इस जनजाती के बारे में माना जाता है कि वो अपने दुश्मनों की खून पीते है। ईदी अमीन पर एक किताब लिखी गई है अ स्टेट ऑफ ब्लडः द इनसाइड स्टोरी ऑफ ईदी अमीन यह किबात हेनरी केयेंबा ने लिखी है, जो ईदी अमीन के शासनकाल के दौरान युगांडा के स्वास्थ मंत्री थे। कहा जाता है कि एक बार अमीन एक अस्पताल के मुर्दाघर में गया था जिसमें उसके दुश्मनों के शव रखे हुए थे। उसने सभी लोगों को उस कमरे से बाहर जाने के लिए कहा और कुछ देर कमरे में अकेल रहा। किसी को नहीं पता कि उसने शवों के साथ किया किया था लेकिन कहा जाता है कि उसने अपने दुश्मनों के शवों से खून पिया था।

अब रामपुर में वोट भी नहीं डाल पाएंगे आजम खां

» वोटर लिस्ट से काटा गया नाम, मुश्किलें बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खां की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं रही हैं। एक तरफ जहां उनकी विधायकी रद्द हो चुकी है तो वहीं अब वह रामपुर उपचुनाव में वोट भी नहीं डाल पाएंगे। कारण, वोटर लिस्ट से उनका नाम काट दिया गया है।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आकाश सक्सेना के प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करते हुए रामपुर निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने आजम खां का नाम वोटर लिस्ट से काटने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि मोहम्मद आजम खां को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 2000 का अर्थदंड भी लगाया है। जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी। अब रामपुर विधानसभा सीट पर 4 दिसंबर को उपचुनाव होना है। जिसको लेकर भाजपा प्रत्याशी ने आजम खां का नाम वोटर लिस्ट से काटे जाने का प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें लोकप्रतिनिधी अधिनियम 1951 की धारा 16 के अंतर्गत चुनावी भ्रष्ट आचरण साबित हो जाने पर वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने के नियम का हवाला दिया गया था। समाजवादी पार्टी ने रामपुर उपचुनाव में आजम खां के करीबी आसिम रजा को मैदान में उतारा है। इससे पहले वह रामपुर से लोकसभा उपचुनाव भी लड़ चुके हैं। हालांकि भाजपा के घनश्याम लोधी ने 42,048 वोटों से आसिम रजा को चुनाव हरा दिया था।

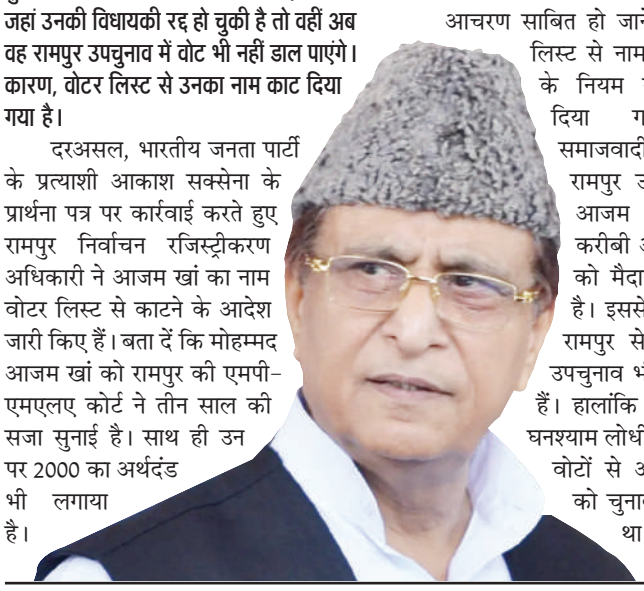

क्यों गई आजम की सदस्यता?

आजम खां ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से रामपुर की मिलक विधानसभा में एक चुनावी भाषण के दौरान आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां की थीं। इसकी शिकायत भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने की थी। इसी मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट 27 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाते हुए आजम खान को दोषी करार दिया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद आजम खान की सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

आजम खां-अब्दुल्ला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

लखनऊ। जौहर यूनिवर्सिटी में गड्ढे में दबी मिली नगर पालिका की सफाई मशीन के मामले में पुलिस ने आजम खां और उनके पुत्र विधायक अब्दुल्ला आजम सहित पांच आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। कोतवाली थाना की पुलिस ने बाकर अली की तहरीर के आधार पर सितंबर माह में सपा नेता आजम खां, सपा विधायक अब्दुल्ला आजम, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर खां, अनवार हुसैन, सालिम और तालिब सहित सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

त्रिवेंद्र राज में दर्ज राजद्रोह मामले में सरकार वापस लेगी एसएलपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

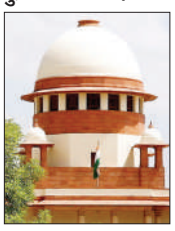

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने त्रिवेंद्र सिंह रावत के कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट में दाखिल विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) वापस लेने की अर्जी दी है। यह एसएलपी 27 अक्तूबर 2020 को उमेश जे कुमार बनाम उत्तराखंड राज्य मामले में नैनीताल हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। इस मामले में हाईकोर्ट ने उमेश कुमार की याचिका में की गई शिकायतों के आधार पर राजद्रोह के मुकदमे को रद्द कर दिया था।

इस फैसले के विरोध में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की। इसमें सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मांग की थी कि राजद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। अब सरकार ने इस एसएलपी को वापस लेने की अर्जी दाखिल की। इससे राजद्रोह के मामले में उमेश कुमार को राहत मिल सकती है। हालांकि बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में इस अर्जी पर सुनवाई नहीं हो सकी। हाईकोर्ट के सीबीआई जांच संबंधी मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की एसएलपी और राजद्रोह की एफआईआर रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के विरोध में हरेंद्र सिंह रावत की एसएलपी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

प्रमुख सचिव संस्थागत वित्त और महानिरीक्षक निबंधक तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निबंधक विभाग में तैनात 392 क्लर्कों के नियमितिकरण के मामले में प्रमुख सचिव संस्थागत वित्त और महानिरीक्षक निबंधक को तलब किया है। कोर्ट ने कहा है कि दोनों अधिकारी पेश होकर यह बताएं कि उनके आदेश का अब तक अनुपालन क्यों नहीं किया गया है।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 21 नवंबर की तिथि तय की है। यह आदेश न्यायमूर्ति इरशाद अली ने प्रहलाद सिंह की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची की ओर से कहा गया कि निबंधक विभाग में 392 क्लर्कों के नियमित किए जाने के मामले में कोर्ट ने पांच अक्तूबर 2017 को ही आदेश पारित कर दिया था। यह आदेश दिया था कि क्लर्कों को उसके आदेश के तहत नियमित किया जाए लेकिन आज तक उसके आदेश का पालन नहीं किया गया। विभाग ने क्लर्कों के नियमितीकरण को रोक रखा है। कहा गया कि क्लर्कों के नियमितीकरण केबारे में तीन सदस्यों की कमेटी गठित की गई थी। उसने अपनी रिपोर्ट भी आठ अगस्त 2018 को प्रस्तुत कर दी थी। सरकार ने रिपोर्ट भी मांगी थी। लेकिन, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई और नियमितीकरण को रोकने वाले अफसर पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

डिंपल यादव के लिए दो और सेट किए गए दाखिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी में लोकसभा उपचुनाव के लिए अंतिम दिन सुभासपा प्रत्याशी समेत कुल नौ प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं, डिंपल यादव के लिए उनके प्रस्तावकों ने नामांकन पत्र के दो और सेट दाखिल किए।

दस से लेकर 17 नवंबर तक कुल आठ दिन लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया चली। बुधवार तक सपा प्रत्याशी डिंपल यादव, भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य और भारतीय कृषक दल प्रत्याशी प्रमोद यादव ने ही नामांकन पत्र दाखिल किया था। वहीं बृहस्पतिवार को नामांकन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में दलीय व निर्दलीय प्रत्याशी नामांकन के लिए पहुंचे। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की ओर से अधिकृत प्रत्याशी रमाकांत कश्यप ने दो सेटों में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अलावा अन्य आठ प्रत्याशियों ने भी उप चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसमें उर्मिला देवी, भूपेंद्र धनगर, विद्यावती गौतम, सुनील मिश्रा, सुषमा देवी, मणिरतन, महेशचंद्र और वीरेंद्र वर्मा शामिल रहे। वहीं बृहस्पतिवार को ही सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के लिए उनके प्रस्तावकों ने नामांकन पत्र के दो और सेट दाखिल किए।

लखनऊ: हंगामेदार रहा नगर निगम सदन का समापन सत्र, फूटा गुस्सा

» सदन में महापौर की अध्यक्षता में लिए गए प्रमुख निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम का समापन सत्र हंगामे और आरोपों के बीच समाप्त हो गया। विपक्षी पार्षदो के अलावा भाजपाई पार्षद भी इस मौके पर नगर निगम प्रशासन को घेरते नजर आए। लगभग सभी पार्षदो ने एक स्वर से सड़कों के गड्ढे, जलभराव, गंदे पानी और सफाई कर्मियों की कमी को लेकर नगर निगम प्रशासन की मौजूदा कार्यशैली पर गम्भीर सवाल उठाये।

वहीं कई भाजपाई पार्षदों ने सदन के बीच में उठकर कहा कि न आपने खुद पांच साल कोई काम किया न हमें करने दिया। अब हम किस मुंह से अपने वार्ड की जनता के पास दोबारा वोट मांगने जाएगे। इस दौरान विपक्षी पार्षदों ने सभी मुद्दों पर मुखर होकर अपनी बात रखी। सदन में महापौर संयुक्ता भाटिया, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह व अभय कुमार पांडेय शोर-शराबे के बीच असहज बैठे नजर आते रहे। सदन में नगर निगम के सफाईकर्मियों की 25 प्रतिशत कटौती का मुद्दा दिनभर गूंजता रहा। नगर निगम सदन में पार्षदों के भारी विरोध के बाद दो बड़े फैसले लिये गये, जिनमें पहला राजधानी में 25 प्रतिशत सफाईकर्मियों की कटौती में 15 प्रतिशत सफाई कर्मियों की वापसी और दूसरा ईको ग्रीन कंपनी को चुनावों के बाद हटाने का फैसला सदन की अध्यक्ष महापौर संयुक्ता भाटिया द्वारा लिया गया। बता दें कि शहर के कई क्षेत्रों के व्यापारियों समेत अन्य शहरवासियों ने भवन कर निर्धारण पर अपत्तिया दर्ज कराई थी। इसीलिए जीएसआई सर्वे के साथ ही बकायेदारों के भवनों की कुर्की की कार्यवाही को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। महापौर ने कहा कि व्यापारियों का आरोप है कि सुबह जब दुकानें बंद होती है तो उन्हें सील कर दिया जाता है।

'खुर्शीद' के जलसे ने दिलों को किया शायराना

मशहूर फिल्म हस्ती फौजिया अर्शी ने आयोजित कराया उर्दू कविताओं की एक शाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मशहूर फिल्म अभिनेत्री मीना कुमारी की याद में मुशायरे की एक शाम में तालियों की गड़गड़ाहट ने माहौल को शायराना कर दिया। उर्दू में कविताओं के जलसा 'खुर्शीद' में कविताओं को सुनकर लोगों के दिल को सुनून मिला। कार्यक्रम में न कोई चमक-धमक थी और न शोर। खालिस सादगी के बीच कविताओं की बयार ने हर किसी को अपनी आगोश में ले लिया।

समारोह का आयोजन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, निर्देशक, लेखिका, संगीतकार और गायक प्रोफेसर फौजिया अर्शी ने किया।फौजिया अर्शी के बारे में लीजेंड एक्टर और विलेन दिवंगत कादर खान और ओम पुरी ने फिल्म जगत की सबसे पढ़ी-लिखी समझदार और कलात्मक खूबियों से भरपूर महिलाओं की शान कहा था। फौजिया अर्शी ने इस समारोह का नाम खुर्शीद रखा। समारोह में फिल्म जगत की तमाम हस्तियां मौजूद रहीं। घरेलू माहौल में सभी सेलिब्रिटी ने मुशायरे का आनंद लिया। समारोह के आयोजन में अभिनेता सचिन पिलगाओंकर का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण रहा।

जया का मुस्कराना पसंद आया

समारोह में मशहूर अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन का आना खासा रोचक रहा। वह ठीक समय पर समारोह में आई और देर तक रहीं। असल में जया बच्चन सार्वजनिक समारोह और संसद की बैठकों में मुस्कुराती नहीं देखी गई लेकिन समारोह में उन्हें खुलकर हंसते और तालियां बजाते देखा गया। प्रसिद्ध साहित्यकार और संपादक सुरेश शर्मा ने भी जया बच्चन की इस अंदाज से अचरज में रहे। जया बच्चन के समारोह में आने पर फौजिया अर्शी का कहना था कि वे उन्हें जया भादुरी ही कहेंगी। क्योंकि उनका अपना अलग वजूद है।

प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक एसके मिश्रा का कार्यकाल बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुख संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल एक साल और बढ़ गया है। उन्हें एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है। साथ ही वह अब नवंबर 2023 तक ईडी के निदेशक के पद पर बने रहेंगे। यह तीसरी बार है, जब उन्हें लगातार सेवा विस्तार दिया गया है।

सरकार पिछले साल एक अध्यादेश लेकर आई थी, जिसमें यह अनुमति दी गई थी कि ईडी और सीबीआई के निदेशकों का कार्यकाल दो साल की अनिवार्य अवधि के बाद तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। मिश्रा को बाद में एक साल विस्तार दिया गया था, जो कि दूसरी बार था। गुरुवार के आदेश में कहा गया, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने ईडी के निदेशक के रूप में संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल में एक वर्ष की अवधि (18 नवंबर 2022 से 18 नवंबर 2023 तक) के लिए विस्तार को मंजूरी दे दी है। 60 वर्षीय मिश्रा 1984 बैच के आयकर कैडर में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी हैं।

उपचुनाव की जंग जीतने के लिए भाजपा के योद्धा तैनात

सपा को कमजोर करने के लिए गांव-गांव पहुंचेंगे केंद्र व राज्य के मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा उपचुनाव में सपा का दुर्ग भेदने के लिए भाजपा ने योद्धा तैनात कर दिए हैं। पार्टी ने दोनों सीटों पर केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ सांसदों-विधायकों की फौज गांव-गांव तैनात कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी उपचुनाव वाले क्षेत्रों में डेरा जमाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ से पूरे अभियान पर नजर रखेंगे। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत को भाजपा ने प्रतिष्ठान का प्रश्न बना लिया है।

पार्टी ने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, बीएल वर्मा, प्रदेश सरकार की मंत्री बेबीरानी मौर्य, डॉ. असीम अरुण, राकेश सचान, गिरीश चंद्र यादव, योगेंद्र उपाध्याय, जयवीर सिंह, सांसद रमाशंकर कठेरिया, राजवीर सिंह व सुब्रत पाठक को मोर्चे पर लगाया गया है। इनके अलावा कानपुर-बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्र के सभी सांसदों-विधायकों की गांव-गांव और शहरों में गली-मोहल्लों में ड्यूटी लगाई जा रही है। केंद्रीय मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय, स्मृति ईरानी, पंकज चौधरी के साथ भाजपा की सहयोगी अपना दल से केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी से संजय निषाद भी प्रचार करेंगे। रामपुर में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद मोर्चा संभालेंगे। वहीं राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, दानिश आजाद अंसारी के अलावा पूर्व मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, मोहसिन रजा, बासित अली सहित अन्य नेताओं को भी तैनात किया गया है। मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर भाजपा ने केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, प्रदेश सरकार के मंत्री जसवंत सैनी, कपिल देव अग्रवाल, सोमेंद्र तोमर, ब्रजेश सिंह को तैनात किया है। सहारनपुर और मेरठ मंडल के सभी मंत्री, विधायक और सांसदों को भी खतौली में तैनात किया गया है। भाजपा ने मैनपुरी और रामपुर में फर्जी मतदान करने वाले संदिग्ध लोगों को पाबंद कराने या पुलिस से उनके खिलाफ कार्रवाई कराने की योजना बनाई है। बूथ प्रबंधन के तहत बूथों पर फर्जी मतदान रोकने और भाजपा समर्थक मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान केंद्र तक लाने की रणनीति अपनाई जाएगी। प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ठाकुर बताते हैं कि मैनपुरी में जसवंतनगर में सपा कार्यकर्ता फर्जी मतदान बहुत करते हैं। जसवंतनगर से ही सपा को सबसे अधिक लीड मिलती है।

राजनाथ सिंह भी करेंगे रामपुर व मैनपुरी में प्रचार

उत्तर प्रदेश में मैनपुरी लोकसभा सीट, खतौली और रामपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए बीजेपी ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। बीजेपी ने फिलहाल 40 प्रचारकों का नाम जारी किया है, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ सहित पार्टी के कई कद्दावर नेता शामिल हैं। बीजेपी के 21 नेता मैनपुरी, 37 रामपुर और 15 खतौली सीट पर प्रचार करेंगे।

राजनीतिक पिच पर कांग्रेस के विकेट गिरे : नकवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष पर निशाना साधा। क्रिकेट के उपमानों का इस्तेमाल करते हुए भाजपा नेता नकवी ने कहा कि राजनीति के पिच पर नो बॉल का बवाल और विकेट गिरने की मूर्खता से राजनीतिक दल जनता के मैदान से बाहर चली गई।

नकवी ने बेहतरीन प्रशासन को केंद्र में मोदी सरकार का और उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का हॉलमार्क बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कर्फ्यू, भ्रष्टाचार और अपराध की संस्कृति को खत्म कर दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी-योगी ने तुष्टिकरण, वंशवाद की राजनीति, क्षेत्र, धर्म और जाति की बाधाओं को तोड़कर समावेशी सशक्तिकरण की मजबूत नींव स्थापित की। भाजपा नेता नकवी ने कहा कि राजनीति में झूठ सब कुछ खत्म कर सकता है, सहजता और संवेदनशीलता बहुत कुछ दे सकती है। उन्होंने कहा हमें याद रखना चाहिए कि हमारे कर्तव्यों में लोगों के जनादेश का सम्मान करना शामिल है। कतार में खड़े आखिरी शख्स का सम्मान के साथ विकास हमारी प्राथमिकता है। इसके पहले भी भाजपा नेता नकवी ने कांग्रेस का नाम लिए बगैर कहा था कि अब खानदानी सियासत और पानदानी विरासत की दुकानें बंद हो गई हैं।

श्रद्धा हत्याकांड जैसी घटना रोकने के लिए बढ़े कानून का दायरा : राजेश्वर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड को लेकर भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने गहरी चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। सरोजनीनगर सीट से विधायक राजेश्वर ने अवैध मतांतरण के मामलों को लेकर बने कानून को और कठोर बनाए जाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा हत्याकांड जैसी जघन्य वारदात की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उत्तर प्रदेश में लागू विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध एक्ट-2021 में संशोधन कर उसे और सख्त बनाया जाए। भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने कहा कि पाक्सो एक्ट की तरह इस कानून में भी मामले की 60 दिनों में विवेचना पूरी किए जाने की व्यवस्था की जाए। कहा कि अवैध मतांतरण के मामलों में 60 दिनों में कोर्ट में ट्रायल पूरा होना चाहिए।

स्वतंत्रता आंदोलन की तर्ज पर लड़ी जाएगी किसानों की लड़ाई : टिकैत

» टिकैत भाइयों के निशाने पर भाजपा, कहा- होगा संघर्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ जनता ने 90 साल तक आजादी की लड़ाई लड़ी गई, जिसमें इसमें किसानों ने ही बलिदान दिया था, किसी व्यापारी सरमायेदार को फांसी नहीं हुई थी। इसी तर्ज पर किसानों की लड़ाई लड़ी जाएगी।

वह मुजफ्फरनगर में सिसौली के किसान भवन पर हुई भाकियू की हरी चुनरी महिला पंचायत को संबोधित कर रहे थे। महिला वक्ताओं ने कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया। किसान भवन पर आयोजित पंचायत में महिलाओं की समानता के हक की मांग उठी। राकेश टिकैत ने कहा कि लखनऊ में 26 नवंबर की पंचायत की रणनीति तैयारी की गई। कार्यकर्ता 25 नवंबर को रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा 800 साल पहले भी खाप पंचायतों के पास महिला संगठन का जिसमें लगभग 48000 महिलाएं शामिल थी। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि भाकियू कार्यकर्ताओं के पास सरकारी किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं के नंबर भी नहीं होने चाहिए।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

निकाय चुनाव में छह लाख वोटर बढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिसंबर में प्रस्तावित नगर निकाय चुनाव में इस बार छह लाख नए मतदाता वोट करेंगे। 2017 में हुए निकाय चुनाव के बाद इतने वोटरों की बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय निकाय यानी नगर निगम और नगर पंचायतों में कुल वोटरों का आंकड़ा अब तीस लाख को पार कर गया है और कुल 3049954 मतदाता हो गए हैं।

नगर निगम चुनाव इसी साल दिसंबर में प्रस्तावित हैं। परिसीमन कार्य पूरा हो चुका है और मतदाता सूची भी तैयार है। एडीएम वित्त और राजस्व हिमांशु गुप्ता के मुताबिक गत चुनाव की अपेक्षा इस बार काफी वोटर बढ़े हैं। डोर टू डोर सर्वे के अलावा विशेष अभियानों में लगातार वोटर बढ़ाने का काम हुआ है। इसी का नतीजा है कि करीब छह लाख वोटर इस बार अधिक मतदान करेंगे। इस बार नगर निगम सीमा में नए 88 गांव शामिल किए गए हैं। जाहिर है यहां के वोटर भी सूची में शामिल हो गए हैं। पुनरीक्षण के बाद यहां के कुल 254718 वोटर सूची में बढ़ाए गए हैं।

नगर निगम

110 वार्ड में कुल बढ़े वोटर	587634
गत चुनाव में वोटर	2273854
इस बार कुल वोटर	2861488
नगर निकाय में इस बार कुल मतदाता	3049954,
नगर निगम के वोटरों की संख्या	2861488,
नगर पंचायतों में मतदाताओं की संख्या	188466

बदरीनाथ धाम के कपाट 19 को बंद होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। बदरीनाथ धाम में बृहस्पतिवार से वेद ऋचाओं का वाचन बंद हो गया है। दो दिनों तक गुप्त मंत्रों से ही भगवान बदरीनाथ की पूजा-अर्चना संपन्न होगी। भगवान बदरीनाथ के अभिषेक के बाद वेद पुस्तक, विष्णु सहस्रनाम, खड़ग पुस्तक और भागवत पुराण की पुस्तकें बदरीनाथ धाम के गर्भगृह में रख दी गई है। दो दिनों तक अब बिना पुस्तकों के ही बदरीनाथ की पूजा-अर्चना की जाएगी। आज बदरीनाथ धाम परिसर में लक्ष्मी मंदिर में कड़ाई भोग का आयोजन किया जाएगा। बदरीनाथ के धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल ने बताया कि बदरीनाथ धाम के कपाट 19 नवंबर को अपराह्न 3 बजकर 35 मिनट पर बंद कर दिए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।